I.C.S.E

कक्षा : IX - X (2017)

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. भारत ऋतुओं का देश माना जाता है। आजकल ऋतुओं में अपूर्व परिवर्तन हो रहे हैं इसका कारण था उनका जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन करें।
2. जीवन में खेलों का महत्त्व स्पष्ट करते हुए प्रस्ताव तैयार करें।

3. आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में भ्रष्टाचार व्याप्त है इसके कारण और उपायों पर चर्चा करते हुए प्रस्ताव तैयार करें।
4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :
5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. अपने क्षेत्र में बढ़ते अपराधों की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।
2. अपने छोटे भाई को कुसंगति से बचने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव में हुआ था। डॉ॰ भीम राव अंबेडकर के पिता का नाम रामजी मालोजी सकपाल और माता का भीमाबाई था। अंबेडकर जी अपने माता-पिता की आखिरी संतान थे। भीमराव अंबेडकर का जन्म महार जाति में हुआ था जिसे लोग अछूत और बेहद निचला वर्ग मानते थे। छोटी जाति से संबद्ध होने की वजह से समाज की उपेक्षा का सामना करना पड़ा लेकिन मजबूत इरादों के बल पर उन्होंने देश को एक ऐसा रास्ता दिखाया जिसकी वजह से उन्हें आज भी याद किया जाता है। भीम राव अंबेडकर एक नेता, वकील, गरीबों के मसीहा और देश के बहुत बड़े नेता थे जिन्होंने समाज की बेड़ियाँ तोड़ कर विकास के लिए कार्य किए। अपने अथक परिश्रम से एम एस सी, डी एस सी। तथा बैरिस्ट्री की डिग्री प्राप्त कर लंदन से भारत लौटे। 1923 में बम्बई उच्च न्यायालय में वकालत शुरु की अनेक कठिनाईयों के बावजूद अपने कार्य में निरंतर आगे बढते रहे। एक मुकदमे में उन्होंने अपने ठोस तर्कों से अभियुक्त को फाँसी की सजा से मुक्त करा दिया था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर जाने वाले अंबेडकर जी कुछ ही समय में देश की एक चर्चित हस्ती बन चुके थे। 6 दिसंबर 1956 को अंबेडकर जी की मृत्यु हो गई।

1. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
2. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म कौन-सी जाति में हुआ था? उसका समाज में क्या स्थान था?
3. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर अथक परिश्रम से कौन-कौन-सी डिग्री प्राप्त की थी?
4. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर कौन थे?
5. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर एक चर्चित हस्तीकैसे बने?

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - दर्द -
   - नियम -

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - कोमल -
   - घोड़ा -

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - अतिवृष्टि -
   - अनुकूल -
   - आग्रह -
   - अरुचि -

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - वीर -
   - रंग -

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
   - कमर टूटना -
   - चंपत होना -

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(a) गाँधीजी के आदर्श <u>अनुकरण करने योग्य</u> हैं। [1]

(b) हिमालय की चढ़ाई --------- है। (दुर्गम / अगम) [1]

(c) लेखक कहानी लिखता है। (द्वारा शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर गद्य)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"बेचारा जामुन का पेड़ कितना फलदार था।"

पाठ - जामुन का पेड़

लेखक - कृष्ण चंदर

1. जामुन का पेड़ कहाँ लगा हुआ था और उसके गिरने का क्या कारण था? [2]
2. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है? वो दुखी क्यों है? [2]
3. उपर्युक्त संवाद कहानी के किस प्रसंग में आए हैं? [3]
4. इससे लोगों की किस मानसिकता का पता चलता है? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"आज चित्रा को जाना था। अरुणा अरुणा सवेरे से ही उसका सारा सामान ठीक कर रही थी।"

पाठ - दो कलाकार

लेखिका - मन्नू भंडारी

1. चित्रा को कहाँ और क्यों जाना था? [2]
2. चित्रा को घर लौटने में देर क्यों हुई? [2]
3. चित्रा को कितने बजे जाना था और उसकी आँखें किसे ढूँढ़ रही थी? [3]
4. विदेश में उसके किस चित्र को अनेक प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार मिल चुका था? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"लेकिन भाई! एक बात समझ नहीं आई।" हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, "नेताजी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया?"

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयंप्रकाश

1. प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से क्या तात्पर्य है? [2]
2. मूर्तिकार कौन था और उसने मूर्ति का चश्मा क्यों नहीं बनाया था ? [2]
3. "वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल!"कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए। [3]
4. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? [3]

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!
कविता - भिक्षुक
कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. भिक्षुक के आँसुओं के घूँट पी जाने का क्या कारण है? [2]
2. भूख मिटाने की विवशता उनसे क्या करवाती है? [2]
3. 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए' - पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - ओंठ, सड़क, कुत्ते, झपट, आँसू, विधाता [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;

चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं

कवि- रामधारी सिंह दिनकर

1. 'प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]
2. मानव का विकास कभी संभव होगा? [2]
3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी
'क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की'
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

कविता - मेघ आए

कवि- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1. 'क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी, क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]
2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों? [2]
3. कवि ने पीपल के पेड़ के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है और क्यों? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - बरस, सुधि, अकुलाई, ढरके, अश्रु, जुहार [3]

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दादाजी, आप पेड़ से किसी डाली का टूटकर अलग होना पसंद नहीं करे, पर क्या आप यह चाहेंगे कि पेड़ से लगी-लगी वह डाल सूखकर मुरझा जाय...

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता का परिचय दें। [2]
2. घर के सदस्यों का व्यवहार छोटी बहू के प्रति बदल कैसे जाता है? [2]
3. उपर्युक्त कथन से वक्ता का क्या आशय है? [3]
4. वक्ता की मन:स्थिति का वर्णन कीजिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उनके पौरुष की परीक्षा का दिन आ पहुँचा है। महारावल बाप्पा का वंशज मैं लाखा प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. महाराणा लाखा ने प्रतिज्ञा क्यों ली? [2]
2. किसका वंशज क्या प्रतिज्ञा करता है? [2]

3. किसके पौरुष की परीक्षा का दिन आ गया? [3]

4. महाराणा लाखा जनसभा में क्यों नहीं जाना चाहते? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जिस कालाग्नि को तूने वर्षों घृत देकर उभारा है,उसकी लपटों में साथी तो स्वाहा हो गए! उसके घेरे से तू क्यों बचना चाहता है? अच्छी तरह समझ ले, ये तेरी आहुति लिए बिना शांत न होगा।

एकांकी - महाभारत की साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. दुर्योधन अपनी प्राण रक्षा के लिए क्या करता है? [2]

2. उपर्युक्त कथन किसका का है? कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

3. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने युधिष्ठिर को क्या उत्तर दिया? [3]

4. 'घृत देकर उभारा है' से क्या तात्पर्य है स्पष्ट करें। [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस निमंत्रण - पत्र को हाथ में लेकर वह फिर अतीत की स्मृतियों में डूब गई। वह अपने को अभागन महसूस कर रही थी। कई लड़के उसे देखकर नापसंद का चुके थे यह कल्पना करते ही उसका दिल भर आया। तभी उसने अपने को संभाला और अपनी सहेलियों के साथ बाहर चली गई।

1. यहाँ पर किसका निमंत्रण आया है? [2]

2. अतीत की स्मृतियों में डूब जाने पर मीनू क्यों उदास हो जाती है? [2]

3. कई लड़के उसे देखकर नापसंद कर चुके थे - स्पष्ट कीजिए। [3]

4. मीनू अपनी सहेलियों के साथ कहाँ जा रही है? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"भइया, मैं सच कह रही हूँ। जवान बेटियों की तो बड़ी भारी जिम्मेदारी होती है। इनकी शादी हो जाएगी तो तुझे कम-कम-से छुट्टी तो मिल जाएगी। फिर रोहित, वह तो लड़का है उसकी कोई ऐसी बात नहीं है।" बुआजी ने बहुत विश्वास के साथ कहा।

1. वह महिला कौन है और भइया को क्या समझा रही है? [2]
2. किसके विवाह की चिंता कर रही है? [2]
3. हमारे समाज में लड़के के विवाह की अपेक्षा लड़की के विवाह को आज इतना महत्त्व क्यों दिया जाता है? [3]
4. प्रस्तुत पंक्तियों के अर्थ अपने शब्दों में व्यक्त करो। [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, "आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।" मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा,तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके हृदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]

2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]

3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]

4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. भारत ऋतुओं का देश माना जाता है। आजकल ऋतुओं में अपूर्व परिवर्तन हो रहे हैं इसका कारण था उनका जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन करें।

भारत में प्रत्येक ऋतू दो-दो महीने रहती है। चैत और वैशाख में वसंत, ज्येष्ठ और आषाढ़ में ग्रीष्म, श्रावण और भाद्रपद में वर्षा, अश्विन और कार्तिक में शरद, मार्गशीर्ष और पौष में हेमंत, माघ और फाल्गुन में शिशिर (पतझड़) भारत में प्राय:सभी स्थानों पर ये ऋतूएँ अपना रूप एक बार अवश्य दिखलाती है।

वर्षाऋतू को वैसे तो जीवनदायनी माना जाता है परन्तु कभी-कभी यही जीवनदायनी प्राण घातक भी हो जाती है कभी बाढ़ आने के कारण जन धन सभी का नुकसान होता है। उसी प्रकार सर्दी और गर्मी का मौसम में भी होता है पर जब ठंड या गर्मी अधिक बढ़ जाती है तो लोगों के पास इससे बचने का उपाय न होने के कारण कई लोग मौत के मुँह में भी समा जाते हैं। मौसम में इस परिवर्तन का ज़िम्मेदार स्वयं मनुष्य ही है जो अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए प्रकृति का जिस प्रकार से हनन कर रहा है उसका परिणाम ही मौसम में इस प्रकार के अनचाहे बदलाव हमें देखने के लिए मिल रहें हैं।

आज पहले की अपेक्षा हमें बाढ़, सूखा, अकाल, अतिवृष्टि बर्फबारी आदि प्राकृतिक घटनाएँ आए दिन देखने को मिलती है। इस सब का प्रमुख कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन है जिसके परिणामस्वरूप इस तरह की घटनाएँ आज आम हो गयी है। अत:मनुष्य समय रहते न चेता तो वह दिन दूर नहीं जब पूरी मानवता को अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

2. जीवन में खेलों का महत्त्व स्पष्ट करते हुए प्रस्ताव तैयार करें।
   मनुष्य के जीवन में आरंभ से ही खेलों का महत्त्व रहा है। खेलों के बिना मनुष्य अधूरा है। प्राचीन समय में तो उसके मनोरंजन का साधन ही खेल हुआ करते थे। स्वयं के मनोरंजन के लिए उसने विभिन्न तरह के खेलों की रचना भी की है और आगे भी करता रहा है। शरीर को स्वस्थ रखने

का एक साधन खेल भी है। आज खेल शिक्षा का आवश्यक अंग समझा जाने लगा है। शारीरिक शिक्षा मनुष्य के सर्वांगीण विकास में सहायक है। सभी प्रकार के कर्तव्यों का पालन स्वस्थ शरीर से ही संभव है। मनुष्य के व्यक्तित्व के चहुँमुखी विकास में खेल-कूद की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है। खेलों से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न होती हैं जो समाज को जोड़ने में अपनी भूमिका निभाते हैं।

खेल कई तरह के होते हैं - क्रिकेट, हॉकी, लॉन टेनिस, फुटबॉल जैसे खेलों के लिए बड़े मैदान की ज़रुरत होती है। खो-खो, कबड्डी, टेबल-टेनिस जैसे खेल छोटे मैदान में भी खेले जा सकते हैं। यदि हम नियमित रूप से खेलते रहते हैं, तो हमारा स्वास्थ्य ठीक रहता है। हम चुस्त-दुरूस्त बने रहते हैं। इससे बीमारियाँ भी दूर रहती हैं साथ ही डॉक्टर और दवाईयों में आने वाला खर्चा भी कम हो जाता है। विद्यार्थियों के लिए तो खेल उत्तम औषधि के समान है। पढ़ाई करने के बाद खेलने से मन को नई शक्ति प्रदान होती है। खेलने से विद्यार्थियों में उपजा तनाव कम होता है।

आज हर देश में खेलों को आवश्यक और महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है। स्कूलों में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए अनेक प्रकार के खेलों की व्यवस्था होती है, इसलिए माता-पिता भी अपने बच्चो को उसी स्कूल में डालना चाहते हैं जहाँ खेलों को ज्यादा महत्व दिया जाता है। खेलों से सहयोग, उदारता, सहनशीलता, अनुशासन भाईचारे आदि की भावना तथा मेल जोल की आदि जैसे गुण विकसित होते है। खेलों को व्यवसाय के रूप में अपनाने से खिलाड़ी देश-विदेश में यश और धन दोनों कमा रहे हैं। इन सब बातों को देखते हुए हम खेलों के महत्त्व को नकार नहीं सकते हैं। कई राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनिया खेल-क्लबों और प्रतिभाशाली खिलाडियों को आर्थिक सहायता दे रही है। इसके अतिरिक्त प्रांतीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्टार पर खेल प्रतियोगिताओं का समय-समय पर आयोजन हो

रहा है। प्रत्येक मनुष्य के लिए आज यह आवश्यक हो गया है की वह अपने आप को खेलों से जोड़कर जीवन को सहेज बनाकर जीने का प्रयास करे।

3. आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में भ्रष्टाचार व्याप्त है इसके कारण और उपायों पर चर्चा करते हुए प्रस्ताव तैयार करें

भ्रष्टाचार अर्थात् भ्रष्ट+आचार। भ्रष्ट यानी बुरा या बिगड़ा हुआ तथा आचार का मतलब है आचरण। अर्थात् भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट किसी भी प्रकार से अनैतिक और अनुचित हो। आज भारत में ऐसे कई व्यक्ति मौजूद हैं जो भ्रष्टाचारी है।

आज हम अपने चारों ओर भ्रष्टाचार के अनेक रुप देख सकते हैं जैसे रिश्वत, काला-बाजारी, जान-बूझकर दाम बढ़ाना, पैसा लेकर काम करना, सस्ता सामान लाकर महँगा बेचना आदि।

भ्ष्ट्राचार की लगी अगन है,
जिसने कर दिया मूल्यों का दहन है।

भ्ष्ट्राचार ने भयानक रोग की तरह हमारे समाज को खोखला कर दिया है। आज के आधुनिक युग में व्यक्ति का जीवन अपने स्वार्थ तक सीमित होकर रह गया है। प्रत्येक कार्य के पीछे स्वार्थ प्रमुख हो गया है। असमानता, आर्थिक, सामाजिक या सम्मान, पद-प्रतिष्ठा के कारण भी व्यक्ति अपने आपको भ्रष्ट बना लेता है। भारत के अंदर तो भ्रष्टाचार का फैलाव दिन-भर-दिन बढ़ रहा है।

भ्ष्ट्राचार को तीन प्रमुख वर्गो में विभक्त कर सकते हैं : राजनीतिक, प्रशासनिक और व्यावहारिक। आज सरकारी व गैरसरकारी विभाग से लेकर शिक्षा के मंदिर माने जाने वाले स्कूल व कॉलेज भी इस भ्रष्टाचार से अछूते नहीं है। भ्रष्टाचार हमारे नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है। भ्रष्टाचार के कारण भारतीय संस्कृति का पतन हो रहा है। भ्रष्टाचार दूर करने के लिए हमें शिक्षण द्वारा व्यकित के मनोबल को ऊँचा उठाना होगा। सबके लिए उचित रोज़गार उपलब्ध कराना होगा। समाज में विभिन्न

स्तरों पर फैले भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर दंड-व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए अपने को इस भ्रष्टाचार से बाहर निकालना होगा। हमें प्रशासन व शासन की व्यवस्था को पूरी तरह स्वच्छ व पारदर्शी बनाना होगा।

4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :

'लालच बुरी बला है।'

एक बार गुजरात राज्य के सूरत शहर के एक छोटे से कस्बे में एक भिखारी रहता था। भीख माँगकर वह किसी तरह अपना गुजर बसर करता था। अपनी इस स्थिति पर वह बहुत दुखी था इसलिए वह रोज लक्ष्मी माता की प्रार्थना किया करता था। एक दिन लक्ष्मी माता उसकी भक्ति से प्रसन्न हो गई और उस भिखारी के सामने प्रकट हो गई और उससे वरदान माँगने को कहा। भिखारी अपने सामने देवी लक्ष्मी को पाकर अत्यंत प्रसन्न हो उठा और तुरंत उसने देवी से सोने की मुहरों की माँग कर दी। देवी ने उसकी बात मान ली परंतु एक शर्त भी रख दी कि उसे मुहरें अपनी झोली में ही लेनी पड़ेगी और यदि मुहरें जमीन में गिर पड़ेगी तो मिट्टी में बदल जाएँगी। भिखारी ने अपनी फटी-पुरानी झोली देवी के आगे फैला दी। मुहरें उसमें गिरने लगी। झोली पूरी तरह भर गई पर भिखारी का मन नहीं भरा। वह और मुहरों की माँग करने लगा। बेचारी फटी हुई झोली कितना भार उठाती फट गई और सारी मुहरें जमीन पर गिर गई और मिट्टी बन गई भिखारी सिर पकड़कर बैठ गया और देवी चली गई। इसलिए तो कहते हैं लालच बुरी बला है।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रस्तुत चित्र किसी भयानक दुर्घटना का प्रतीत होता है। चारों तरफ अफरा-तफरी वाला माहौल दिखाई जान पड़ता है। सभी लोग इधर-उधर अपनी जान और दूसरों की जान बचाने की कोशिश करते हुए नज़र आ रहे हैं। इस घटना को देखकर मुझे अपनी साथ घटी हुई दुर्घटना का स्मरण हो आता है।

शनिवार का दिन था और मेरे माता-पिता ने पास ही तुंगारेश्वर पहाड़ी पर जाने का कार्यक्रम बनाया। अगस्त का महिना था अतः बरसात भी हो रही थी। माँ ने झटपट यात्रा की तैयारी कर ली और हम निकल पड़े अपने सफ़र पर। मैं और मेरा छोटा भाई यात्रा का आनंद उठा ही रहे थे कि अचानक मुसलाधार बरसात शुरू हो गई। पिताजी के लिए सामने का रास्ता देखना भी मुश्किल हो रहा था। वे जैसे-तैसे कार चला रहे थे कि अचानक हमारी कार एक बड़े से ट्रक से टकरा गई। हमारी कार ने अपना

संतुलन खो दिया था। भय के मारे हमारे मुख से चीख़ निकल गई। टक्कर लगाने के कारण हमारी कार घिसटते हुई सड़क के एकदम किनारे आकर रुक गई थी। यदि उस समय हमारी कार न रुकती तो हम सब सीधे खाई में जा गिरते। हमारे सारे परिवार को बड़ी मुश्किल से कार के बाहर निकाला गया। हम सभी को मामूली चोटे आई थी पर सब लोग सकुशल थे। साथ ही हैरानी की बात यह थी की हमारी कार तथा ट्रक दोनों ही सही सलामत थे।

कुछ समय के पश्चात् हमने फिर से अपनी यात्रा शुरू की और तब तक बरसात भी शांत हो गई थी। अतः आज भी वह दिन मेरे लिए अविस्मरणीय दिन है।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. अपने क्षेत्र में बढ़ते अपराधों की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

सेवा में

थानाध्यक्ष महोदय

बसीन रोड

हरियाणा

दिनाँक - 27 मार्च 2015

विषय : बढ़ते अपराधों की जानकारी के संदर्भ पत्र।

महोदय

मैं इस पत्र के माध्यम से आपका ध्यान शहर में बढ़ते अपराधों की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में आजकल असामजिक तत्वों का राज फैल गया है। आए दिन किसी न किसी दुकान या घर में चोरी की घटनाएँ आम हो चुकी

है। बाजार के मुख्य चौराहे और बस अड्डे के पास कुछ मनचलों का जमघट सा लगा रहता है जो किसी को भी नहीं बख्शते। हर एक युवती और महिला के साथ छेड़खानी करते रहते हैं। विरोध करने पर ये लोग हाथापाई पर उतर आते हैं।

अत: आपसे अनुरोध है कि इस इलाके में पुलिस की गश्त बढ़ा दे। आशा करता हूँ कि आप हमारी समस्या की ओर ध्यान देंगे और हमारी समस्या को जल्द-से जल्द सुलझाने का प्रयास करेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

रोहन शर्मा

बसीन रोड

हरियाणा

2. अपने छोटे भाई को कुसंगति से बचने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

102, मोहनगंज

पटेल नगर

गुडगाँव

दिनाँक - 2 अगस्त 2014

प्रिय अनुज अर्पित

शुभाशीष।

आज ही माताजी का पत्र मिला। पत्र पढ़कर मुझे अत्यंत दु:ख हुआ कि तुम्हारा इस वर्ष का परीक्षा परिणाम काफी खराब रहा। ऐसे लगता है मानो तुमने कुछ गलत मित्रों का साथ कर लिया है,जिनका जीवन में कोई लक्ष्य ही नहीं है। ऐसे मित्र अपने भविष्य के साथ दूसरों के भविष्य को भी खराब कर देते हैं।

कुसंगति हमेशा व्यक्ति के पतन का कारण बनती है। अत:मेरा तुमसे अनुरोध है कि तुम ऐसे मित्रों का चुनाव करो जो तुम्हारे व्यक्तित्व के विकास में सहायक बने। मुझे पूरा विश्वास है कि तुम मुझे और माता-पिता को निराश नहीं करोगे इसी आशा के साथ यह पत्र समाप्त करता हूँ।

शेष मिलने पर।

तुम्हारा अग्रज

रोमल

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव में हुआ था। डॉ॰ भीम राव अंबेडकर के पिता का नाम रामजी मालोजी सकपाल और माता का भीमाबाई था। अंबेडकर जी अपने माता-पिता की आखिरी संतान थे। भीमराव अंबेडकर का जन्म महार जाति में हुआ था जिसे लोग अछूत और बेहद निचला वर्ग मानते थे। छोटी जाति से संबद्ध होने की वजह से समाज की उपेक्षा का सामना करना पड़ा लेकिन मजबूत इरादों के बल पर उन्होंने देश को एक ऐसा रास्ता दिखाया जिसकी वजह से उन्हें आज भी याद किया जाता है। भीम राव अंबेडकर एक नेता, वकील, गरीबों के मसीहा और देश के बहुत बड़े नेता थे जिन्होंने समाज की बेड़ियाँ तोड़ कर विकास के लिए कार्य किए। अपने अथक परिश्रम से एम एस सी, डी एस सी। तथा बैरिस्ट्री की डिग्री प्राप्त कर लंदन से भारत लौटे। 1923 में बम्बई उच्च न्यायालय में वकालत शुरु की अनेक कठिनाईयों के बावजूद अपने कार्य में निरंतर आगे बढते रहे। एक मुकदमे में उन्होंने अपने ठोस तर्कों से अभियुक्त को फाँसी की सजा से मुक्त करा दिया था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर जाने वाले अंबेडकर जी कुछ ही समय

में देश की एक चर्चित हस्ती बन चुके थे। 6 दिसंबर 1956 को अंबेडकर जी की मृत्यु हो गई।

1. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

   उत्तर : डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से गाँव में हुआ था।

2. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर का जन्म कौन-सी जाति में हुआ था? उसका समाज में क्या स्थान था?

   उत्तर : भीमराव अंबेडकर का जन्म महार जाति में हुआ था जिसे लोग अछूत और बेहद निचला वर्ग मानते थे।

3. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर अथक परिश्रम से कौन-कौन-सी डिग्री प्राप्त की थी?

   उत्तर : अपने अथक परिश्रम से एम एस सी, डी एस सी तथा बैरिस्ट्री की डिग्री प्राप्त कर लंदन से भारत लौटे।

4. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर कौन थे?

   उत्तर : भीम राव अंबेडकर एक नेता, वकील, गरीबों के मसीहा और देश के बहुत बड़े नेता थे जिन्होंने समाज की बेड़ियां तोड़ कर विकास के लिए कार्य किए।

5. डॉ॰ भीम राव अंबेडकर एक चर्चित हस्तीकैसे बने?

   उत्तर : एक मुकदमे में उन्होंने अपने ठोस तर्कों से अभियुक्त को फाँसी की सजा से मुक्त करा दिया था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर जाने वाले अंबेडकर जी कुछ ही समय में देश की एक चर्चित हस्ती बन चुके थे।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - दर्द - दर्दनाक
   - नियम - नियमपूर्वक

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - कोमल - मुलायम, नरम, नाज़ुक
   - घोड़ा - अश्व, घोटक,

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - अतिवृष्टि - अनावृष्टि
   - अनुकूल - प्रतिकूल
   - आग्रह - दुराग्रह
   - अरुचि - रुचि

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - वीर - वीरता
   - रंग - रंगत

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
   - कमर टूटना - आज की मँहगाई ने तो आम जनता की कमर तोड़ दी है।
   - चंपत होना - नौकर घर के सारे नकदी और आभूषण लेकर चंपत हो गया।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(a) गाँधीजी के आदर्श <u>अनुकरण करने योग्य</u> हैं। [1]

उत्तर : अनुकरणीय

(b) हिमालय की चढ़ाई --------- है। (दुर्गम / अगम) [1]

उत्तर : हिमालय की चढ़ाई <u>दुर्गम</u> है।

(c) लेखक कहानी लिखता है। (द्वारा शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]

उत्तर : लेखक द्वारा कहानी लिखी गई।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर गद्य)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"बेचारा जामुन का पेड़ कितना फलदार था।"

पाठ - जामुन का पेड़

लेखक - कृष्ण चंदर

1. जामुन का पेड़ कहाँ लगा हुआ था और उसके गिरने का क्या कारण था? [2]

उत्तर : जामुन का पेड़ सेक्रेटेरियट के लॉन में लगा हुआ था। एक रात को बड़े जोर की आँधी के कारण जामुन का पेड़ गिर पड़ा।

2. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है? वो दुखी क्यों है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन का वक्ता सेक्रेटेरियेट में काम करने वाला एक क्लर्क है, जो इस समय जामुन के पेड़ के गिर पड़ने से दुखी है क्योंकि ये जामुन का पेड़ अत्यंत फलदार और रसीला था।

3. उपर्युक्त संवाद कहानी के किस प्रसंग में आए हैं? [3]

उत्तर : उपर्युक्त संवाद सेक्रेटेरियेट के लॉन में लगे जामुन के पेड़ के गिरने के संदर्भ में आए हैं। सेक्रेटेरियेट के लॉन में लगा पेड़ आँधी के कारण रात में गिर पड़ा और उसके नीचे एक आदमी दब गया सुबह होने पर जब माली ने उसे देखा तो क्लर्क को बताया और इस तरह से वहाँ पर एक भीड़ इकट्ठी हो गई और उस समय जामुन के पेड़ को देखकर उपर्युक्त संवाद कहा गया है।

4. इससे लोगों की किस मानसिकता का पता चलता है? [3]

उत्तर : उपर्युक्त संवाद से हमें लोगों की संवेदनशून्य होती मानसिकता का पता चलता है। जामुन के पेड़ के पास खड़ी भीड़ को उसके नीचे दबे व्यक्ति से कोई सहानुभूति नहीं होती उल्टे वे उस पेड़ के लगे जामुनों को याद कर शोक प्रकट करते हैं जिससे पता चलता है कि किस प्रकार लोग स्वार्थी और संवेदनशून्य होते जा रहे हैं।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“आज चित्रा को जाना था। अरुणा अरुणा सवेरे से ही उसका सारा सामान ठीक कर रही थी।”

पाठ - दो कलाकार

लेखिका - मन्नू भंडारी

1. चित्रा को कहाँ और क्यों जाना था? [2]

उत्तर : चित्रा को चित्रकला के संबंध में विदेश जाना था।

2. चित्रा को घर लौटने में देर क्यों हुई? [2]

उत्तर : चित्रा को चित्रकला के संबंध में विदेश जाना था इसलिए वह अपने गुरु से मिल कर घर लौट रही थी। घर लौटते समय उसने देखा कि पेड़ के नीचे एक भिखारिन मरी पड़ी थी और उसके दोनों बच्चे उसके सूखे हुए शरीर से चिपक कर बुरी तरह रो रहे थे। उस दृश्य को चित्रा अपने केनवास पर उतारने लग गई इसलिए उसे घर लौटने में देर हो गई।

3. चित्रा को कितने बजे जाना था और उसकी आँखें किसे ढूँढ़ रही थी? [3]

उत्तर : चित्रा को शाम की पाँच बजे की गाड़ी से जाना था और उसकी आँखें उसकी मित्र अरुणा को ढूँढ रही थी।

4. विदेश में उसके किस चित्र को अनेक प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार मिल चुका था? [3]

उत्तर : चित्रा ने भिखारिन और उसके शरीर से चिपके उसके बच्चों का चित्र बनाया था जिसे उसने अनाथ शीर्षक दिया था। विदेश में उसका यही अनाथ शीर्षक वाला चित्र अनेक प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर चुका था।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“लेकिन भाई! एक बात समझ नहीं आई।” हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, “नेताजी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया?”

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयंप्रकाश

1. प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से क्या तात्पर्य है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से तात्पर्य नेताजी के बार-बार बदलने वाले फ्रेम से है। मूर्तिकार ने नेताजी की मूर्ति बनाते समय चश्मा नहीं बनाया था। नेताजी बिना चश्मे के यह बात एक गरीब देशभक्त चश्मेवाले कैप्टन को पसंद नहीं आती थी इसलिए वह नेताजी की मूर्ति पर उसके पास उपलब्ध फ्रेमों से एक फ्रेम लगा देता था।

2. मूर्तिकार कौन था और उसने मूर्ति का चश्मा क्यों नहीं बनाया था? [2]

उत्तर : मूर्तिकार उसी कस्बे के स्थानीय विद्‌यालय का मास्टर मोतीलाल था। मूर्ति बनाने के बाद शायद वह यह तय नहीं कर पाया होगा कि पत्थर से पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाये या फिर उसने पारदर्शी चश्मा बनाने की कोशिश की होगी मगर उसमें असफल रहा होगा।

3. "वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल!"कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए। [3]

उत्तर : पानवाले ने कैप्टन को लँगड़ा तथा पागल कहा है। जो कि अति गैर जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण वक्तव्य है। कैप्टन में एक सच्चे देशभक्त के वे सभी गुण मौजूद हैं जो कि पानवाले में या समाज के अन्य किसी वर्ग में नहीं है। वह भले ही लँगड़ा है पर उसमें इतनी शक्ति है कि वह कभी भी नेताजी को बग़ैर चश्मे के नहीं रहने देता है। अत: कैप्टन पानवाले से अधिक सक्रिय तथा विवेकशील तथा देशभक्त है।

4. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? [3]

उत्तर : चश्मेवाला कभी सेनानी नहीं रहा परन्तु चश्मेवाला एक देशभक्त नागरिक था। उसके हृदय में देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान था। वह अपनी ओर से एक चश्मा नेताजी की मूर्ति पर अवश्य लगाता था उसकी इसी भावना को देखकर लोग उसे कैप्टन कहते थे।

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!

कविता - भिक्षुक
कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. भिक्षुक के आँसुओं के घूँट पी जाने का क्या कारण है?

उत्तर : भिक्षुक भूख के मारे व्याकुल है, साथ में उसके बच्चे भी हैं। भिक्षुक शरीर से भी दुर्बल है भीख में जब उसे कुछ नहीं मिलता तब वह आँसुओं के घूँट पी जाता है।

2. भूख मिटाने की विवशता उनसे क्या करवाती है? [2]

उत्तर : भिक्षुक को जब कुछ नहीं मिलता तो वे जूठी पत्तलें चाटने के लिए विवश हो जाते हैं। जूठी पत्तलों में जो कुछ थोड़ा बहुत अन्न

बचा था वे उसकी को खाकर अपनी भूख शांत करने का प्रयास करते हैं।

3. 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए' - पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय भूख की विवशता से है। भिक्षुक जब सड़क पर खड़े होकर जूठी पत्तलों को चाटकर अपनी भूख को मिटाने का प्रयास कर रहे थे तब सड़क के कुत्ते भी उन्हीं पत्तलों को पाने के लिए भिक्षुक पर झपट पड़े थे।

4. शब्दार्थ लिखिए - ओंठ, सड़क, कुत्ते, झपट, आँसू, विधाता [3]

उत्तर : ओंठ - ओष्ठ

सड़क - मार्ग

कुत्ते - श्वान

झपट - छिनना

आँसू - अश्रु

विधाता - ईश्वर

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?

सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं

कवि- रामधारी सिंह दिनकर

1. 'प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते।

2. मानव का विकास कभी संभव होगा? [2]

   उत्तर : मानव के विकास के पथ पर अनेक प्रकार की मुसीबतें उसके राह रोके खड़ी रहती है तथा विशाल पर्वत भी राह रोके खड़े रहता है। मनुष्य जब इन सब विपत्तियों को पार कर आगे बढ़ेगा तभी उसका विकास संभव होगा।

3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? [3]

   उत्तर : ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते। सभी लोग सुखी और होंगे। इस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है।

4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल [3]

   उत्तर : शमित - शांत
   विकीर्ण - बिखरे हुए
   कोलाहल - शोर
   विघ्न - रूकावट

चैन - शांति

पल - क्षण

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी
'क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की'
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

कविता - मेघ आए

कवि- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1. 'क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी, क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि नायिका को यह भ्रम था कि उसके प्रिय अर्थात् मेघ नहीं आएँगे परन्तु बादल रूपी नायक के आने से उसकी सारी शंकाएँ मिट जाती है और वह क्षमा याचना करने लगती है।

2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों? [2]

उत्तर : लता ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ की ओट में से देखा क्योंकि एक तो वह बादल को देखने के लिए व्याकुल हो रही थी और दूसरी ओर वह बादलों के देरी से आने के कारण रूठी हुई भी थी।

3. कवि ने पीपल के पेड़ के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है और क्यों? [3]

उत्तर : कवि ने पीपल के पेड़ के लिए 'बूढ़े' शब्द का प्रयोग किया है क्योंकि पीपल का पेड़ दीर्घजीवी होता है। जिस प्रकार गाँव में मेहमान आने पर बड़े-बूढ़े आगे बढ़कर उसका अभिवादन करते हैं वैसे ही मेघ रूपी दामाद के आने पर गाँव के बुजुर्ग पीपल का पेड़ आगे बढ़कर उनका स्वागत करते हैं।

4. शब्दार्थ लिखिए - बरस, सुधि, अकुलाई, ढरके, अश्रु, जुहार [3]

उत्तर : बरस - वर्ष

सुधि - सुध

अकुलाई - व्याकुल

ढरके - ढलकना

अश्रु - आँसू

जुहार - स्वागत

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दादाजी, आप पेड़ से किसी डाली का टूटकर अलग होना पसंद नहीं करे, पर क्या आप यह चाहेंगे कि पेड़ से लगी-लगी वह डाल सूखकर मुरझा जाय...

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण की वक्ता मूलराज परिवार की छोटी बहू बेला है। वह एक संपन्न घराने की सुशिक्षित लड़की है। ससुराल के पुराने संस्कार और पारिवारिक सदस्यों से पहले वह सामंजस्य नहीं बैठा पाती है परंतु अंत में वह परिवार के सदस्यों के साथ मिलजुलकर रहने लगती है।

2. घर के सदस्यों का व्यवहार छोटी बहू के प्रति बदल कैसे जाता है? [2]

उत्तर : छोटी बहू हर समय अपने मायके की ही तारीफ़ करती रहती है। इस कारण घर के सभी सदस्य उसे अभिमानी समझते हैं और उसकी बातों पर हँसते रहते हैं परंतु जब घर के दादाजी द्वारा उन्हें समझाया जाता है तब घर के सभी सदस्यों का व्यवहार छोटी बहू के प्रति बदल जाता है।

3. उपर्युक्त कथन से वक्ता का क्या आशय है? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन से वक्ता का आशय उसे अधिक दिए जाने वाले मान-सम्मान से हैं। दादाजी के समझाने पर परिवार के सदस्यों का व्यवहार इस हद तक बदल गया कि वे उसे जरूरत से ज्यादा सम्मान देने लगे जिसके कारण वह अपने आप को घर में उपेक्षित समझने लगी। पर इसके साथ ही उसे अपनी भूल का अहसास भी होने लगता है कि ऐसे व्यवहार के लिए वह खुद भी दोषी है।

4. वक्ता की मन:स्थिति का वर्णन कीजिए। [3]

उत्तर : बेला एक सुशिक्षित लड़की है। उसे अपने प्रति परिवार का बदला व्यवहार अच्छा नहीं लगता पर जब उसे पता चलता है कि घर का हर-एक सदस्य परिवार को अलगाव से बचाने के लिए दादाजी की आज्ञा का पालन कर रहा है तो उसे अपनी भूल

समझ आती है कि वह भी इस परिवार का ही एक अंग है। क्यों न वह भी पहल करे और परिवार के साथ मिलजुलकर रहें और उपर्युक्त कथन वक्ता की इसी पारिवारिक जुड़ाव और मन की व्यथा का वर्णन करता है।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उनके पौरुष की परीक्षा का दिन आ पहुँचा है। महारावल बाप्पा का वंशज मैं लाखा प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. महाराणा लाखा ने प्रतिज्ञा क्यों ली? [2]

उत्तर : मेवाड़ नरेश महाराणा लाखा ने सेनापति अभी सिंह से बूँदी के राव हेमू के पास यह संदेश भिजवाया कि बूँदी मेवाड़ की अधीनता स्वीकार करे ताकि राजपूतों की असंगठित शक्ति को संगठित करके एक सूत्र में बाँधा जा सके, परंतु राव ने यह कहकर प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया कि बूँदी महाराणाओं का आदर तो करता है, पर स्वतंत्र रहना चाहता है। हम शक्ति नहीं प्रेम का अनुशासन करना चाहते हैं। यह सुन कर राणा लाख प्रतिज्ञा करते हैं।

2. किसका वंशज क्या प्रतिज्ञा करता है? [2]

उत्तर : महारावल बाप्पा का वंशज महाराणा लाखा प्रतिज्ञा करते है कि 'जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।'

3. किसके पौरुष की परीक्षा का दिन आ गया? [3]

उत्तर : मेवाड़ के सैनिकों के लिये युद्ध-भूमि में वीरता दिखाने की परीक्षा का दिन आ गया।

4. महाराणा लाखा जनसभा में क्यों नहीं जाना चाहते? [3]

उत्तर : मेवाड़ के शासक महाराणा लाखा को नीमरा के युद्ध के मैदान में बूँदी के राव हेमू से पराजित होकर भागना पड़ा, इसलिए अपने को धिक्कारते हैं, और आत्मग्लानि अनुभव करने के कारण जनसभा में भी नहीं जाना चाहते।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जिस कालाग्नि को तूने वर्षों घृत देकर उभारा है,उसकी लपटों में साथी तो स्वाहा हो गए! उसके घेरे से तू क्यों बचना चाहता है? अच्छी तरह समझ ले, ये तेरी आहुति लिए बिना शांत न होगा।

एकांकी - महाभारत की साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. दुर्योधन अपनी प्राण रक्षा के लिए क्या करता है? [2]

उत्तर : महाभारत के युद्ध में सभी मारे जाते हैं केवल एक अकेला दुर्योधन बचता है। युद्ध तब तक समाप्त नहीं माना जा सकता था जब तक कि दुर्योधन मारा नहीं जाता। इस समय दुर्योधन घायल अवस्था में है और अपने प्राण बचाने के लिए द्वैतवन के सरोवर में छिप जाता है।

2. उपर्युक्त कथन किसका का है? कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन भीम का है। प्रस्तुत कथन का संदर्भ दुर्योधन को सरोवर से बाहर निकालने का है। दुर्योधन महाभारत के युद्ध में घायल हो जाता है और भागकर द्वैतवन के सरोवर में छिप जाता है। वह उसमें से बाहर नहीं निकलता है। तब उसे सरोवर से बाहर निकालने के लिए भीम उसे उपर्युक्त कथन कहकर ललकारता है।

3. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने युधिष्ठिर को क्या उत्तर दिया? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने उत्तर दिया कि वह सभी बातों को भली-भांति जानता है लेकिन वह थककर चूर हो चुका है। उसकी सेना भी तितर-बितर हो गई है, उसका कवच फट गया है और उसके सारे शस्त्रास्त्र चूक गए हैं। उसे समय चाहिए और उसने भी पांडवों को तेरह वर्ष का समय दिया था।

4. 'घृत देकर उभारा है' से क्या तात्पर्य है स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : घृत उभारा है से तात्पर्य दुर्योधन की ईर्ष्या से है। भीम दुर्योधन से कहता है कि वर्षों से तुमने इस ईर्ष्या का बीज बोया है तो अब फसल तो तुम्हें ही काटनी होगी। कितनों को उसने इस ईर्ष्या रूपी अग्नि में जलाया है लेकिन आज स्वयं उन आग की लपटों से बचना चाहता है।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस निमंत्रण - पत्र को हाथ में लेकर वह फिर अतीत की स्मृतियों में डूब गई। वह अपने को अभागन महसूस कर रही थी। कई लड़के उसे देखकर नापसंद का चुके थे यह कल्पना करते ही उसका दिल भर आया। तभी उसने अपने को संभाला और अपनी सहेलियों के साथ बाहर चली गई।

1. यहाँ पर किसका निमंत्रण आया है? [2]

उत्तर : यहाँ पर मीनू की अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण आया है।

2. अतीत की स्मृतियों में डूब जाने पर मीनू क्यों उदास हो जाती है? [2]

उत्तर : मीनू को जब उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है तब वह उसे अतीत की बातें याद आने लगती है कि किस प्रकार अतीत में कई बार उसे कई लड़के ना-पसंद कर चुके थे। उन बातों को याद कर मीनू उदास हो जाती है।

3. कई लड़के उसे देखकर नापसंद कर चुके थे - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : मीनू साधारण नैन-नक्श की साँवले रंग-रूप की लड़की थी जिसके कारण उसे कोई भी पसंद नहीं कर रहा था। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि मीनू गुणों से भरी हुई लड़की थी पर सभी ऊपरी चमक-दमक को ही महत्त्व दे रहे थे।

4. मीनू अपनी सहेलियों के साथ कहाँ जा रही है? [3]

उत्तर : मीनू को उसकी अभिन्न सहेली नीलिमा के विवाह का निमंत्रण पत्र आता है। तब वह अतीत की यादों में खो जाती है और उदास हो जाती है परंतु फिर अपनी स्थिति को संभाल कर अपनी सहेलियों के साथ पूर्वनियोजित योजनानुसार बाहर चली जाती है।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"भइया, मैं सच कह रही हूँ। जवान बेटियों की तो बड़ी भारी जिम्मेदारी होती है। इनकी शादी हो जाएगी तो तुझे कम-कम-से छुट्टी तो मिल जाएगी। फिर रोहित, वह तो लड़का है उसकी कोई ऐसी बात नहीं है।" बुआजी ने बहुत विश्वास के साथ कहा।

1. वह महिला कौन है और भइया को क्या समझा रही है? [2]

उत्तर : वह महिला मीनू की बुआ है। वह अपने भइया को बेटियों के विवाह का महत्त्व समझा रही है। बुआ के अनुसार बेटियों के शादी हो जाने से माता-पिता को बहुत बड़े कामों से मुक्ति मिल जाती है।

2. किसके विवाह की चिंता कर रही है? [2]

उत्तर : बुआ अपनी भतीजी मीनू और आशा की विवाह की चिंता कर रही है। मीनू और आशा के पिता की तबियत भी खराब खराब रहती थी और ऊपर से अभी तक मीनू और आशा का विवाह भी न हुआ था अत: बुआ इनके विवाह की चिंता कर रही है।

3. हमारे समाज में लड़के के विवाह की अपेक्षा लड़की के विवाह को आज इतना महत्त्व क्यों दिया जाता है? [3]

उत्तर : हमारे समाज में स्त्री को दोयम दर्जे का समझा जाता है। माता-पिता बेटी को एक भार और बोझ समझते हैं। बेटी को पराया धन समझा जाता है। उसके विपरीत बेटे को घर का चिराग और कुलदीपक समझा जाता है। और यही कारण है कि लड़की के विवाह को हमारे समाज में इतना अधिक महत्त्व दिया जाता है। माता-पिता को लगता है कि बेटी के विवाह से उनके सिर से एक बड़ी भारी जिम्मेदारी उतर जाएगी।

4. प्रस्तुत पंक्तियों के अर्थ अपने शब्दों में व्यक्त करो। [3]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों का अर्थ यह है कि बेटियाँ माता-पिता की बड़ी जिम्मेदारियाँ होती है। वे उनका विवाह करके ही इस जिम्मेदारी से मुक्त हो सकते हैं।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, “आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।” मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा,तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके हृदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]

उत्तर : नवयुवक अमित है। ये वही है जो कुछ दिनों पहले मीनू देखने के लिए आया था और उसका रिश्ता यह कहकर ठुकराया था कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आ गई थी।

2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]

उत्तर : मीनू अपने सामने अमित को देखकर चौंक गई। मीनू ने यह कल्पना नहीं की थी कि किसी दिन अमित से उसका सामना इस तरह होगा।

3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]

उत्तर : अमित ने जब मीनू की प्रशंसा की तो वह खुश नहीं हुई क्योंकि अमित वही लड़का था जिसने कुछ दिनों पूर्व उसका रिश्ता ठुकराया था।

4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर अमित ने मीनू जैसी गुणी लड़की का रिश्ता ठुकराकर उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई थी। मीनू पढ़ी-लिखी गुणी लड़की थी परंतु अमित के माता-पिता ने अमीर लड़की का रिश्ता आने के कारण उसके रिश्ते को यह कहकर ठुकराया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आई है जबकि वास्तव में वे धनीमल की बेटी सरिता से अमित का विवाह करवाना चाहते थे।